भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1705

जिसका उत्तर 01.08.2024 को दिया जाना है

अनंतपुर राजमार्ग के मूल संरेखण में परिवर्तन

1705. डॉ. बायरेड्डी शबरी:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान नांदयाल से होकर अमरावती से अनंतपुर तक के प्रस्तावित राजमार्ग के मूल संरेखण में परिवर्तन देखा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने यह पाया है कि मूल प्रस्तावित सड़क के इस प्रकार विपथन से नांदयाल और रायल सीमा क्षेत्र के ऐसे क्षेत्रों को विकास मानचित्र से बाहर रखा गया है, जो जुड़े हुए नहीं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा मूल संरेखण को पुन: बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) इसके लिए स्वीकृत निधियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या प्रस्तावित ग्रीनफील्ड राजमार्ग का कोई कार्य शुरू हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या सरकार ने यह पाया है कि आज भी रायल सीमा क्षेत्र को जोड़ने वाले पर्याप्त राष्ट्रीय राजमार्ग नहीं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) रायल सीमा क्षेत्र और विशेषकर नांदयाल की सड़क अवसंरचना में सुधार करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (घ) आंध्र प्रदेश राज्य सरकार ने भारतमाला परियोजना के अंतर्गत ग्रैंड चैलेंज योजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग - 544एफ के अनंतपुर-अमरावती खंड के विकास का राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण (एलए) की लागत का 50% योगदान सहित प्रस्ताव रखा था। हालांकि, राज्य सरकार ने शर्त पूरी नहीं की और भूमि अधिग्रहण की लागत में छूट मांगी। इसलिए, परियोजना को शुरू नहीं किया गया।

(ङ) और (च) आंध्र प्रदेश का रायल सीमा क्षेत्र 30 राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से पर्याप्त रूप से जुड़ा हुआ है, जिनकी कुल लंबाई 3,845 किलोमीटर है। राजमार्ग अवसंरचना का विकास एक सतत प्रक्रिया है और राजमार्ग परियोजनाओं को यातायात, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता और परस्पर प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया जाता है।

*****